



NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद →

यह स्वायत्त संगठन भारत सरकार का है जिसके कार्य एक शैक्षिक वैज्ञानिक और धार्मिक सोसाइटी के रूप में 1962 में स्थापित किया गया था। सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम 1960 का अधिनियम (XXI) इसका मुख्यालय नई दिल्ली में श्री अश्विन्दो मार्ग पर स्थित है। सितम्बर 2014 से हृदयेश सेनापति परिषद के निदेशक हैं।

NCERT की स्थापना एक सामान्य प्रणाली को समर्थन करने और नैदानिक डिजाइन करने के उद्देश्य के साथ की गई थी। जो पश्चिम में शैक्षिक है और और देश भर में विविध संस्कृति को सक्षम और प्रोत्साहित भी करता है।



NCERT की स्थापना

इसकी स्थापना शिक्षा की एक सामान्य प्रणाली को डिजाइन करने और समर्थन करने के उद्देश्यों के साथ की गयी शिक्षा आयोग (1964-66) की शिफारिशों के आधार पर शिक्षा पर पहला राष्ट्रीय नीति दस्तावेज 1968 में जारी किया गया था पूरे देश भर में एक समान पैटर्न को अपनाने का समर्थन किया गया था जिसमें सामान्य शिक्षा कार्यक्रम के 10 वर्ष शामिल थे 2 वर्ष के विविध स्कूली शिक्षा द्वारा वर्ष 1963 में NCERT राष्ट्रीय विज्ञान प्रतिभा खोज खोजना NIOS के गठन के पीछे भी है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत में प्रतिभाशाली छात्रों का पोषण करना था।



राष्ट्रीय विज्ञान प्रतिभा खोज योजना

इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत में प्रतिभा शाली छात्रों का पोषण करना और उन्हें छात्रवृत्ति के साथ पुरस्कृत करना था। राष्ट्रीय विज्ञान प्रतिभा खोज योजना (NATSS) ने वर्ष 1976 में शिक्षा के 10+2+3 पैटर्न की शुरुआत के साथ एक बड़ा बदलाव किया। इस कार्यक्रम का नाम बदलकर राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना रखा गया था जो अब कक्षा X, XI, XII के लिए आयोजित की जा रही है।

दशसाल के संकुल के लिए पाठ्यक्रम

यह ढांचा 1975 में आया था। इसने इस बात पर जोर दिया कि ढांचे में निर्धारित सिद्धान्तों पर आधारित पाठ्यक्रम को और ~~द्वि~~ अनुसन्धान और विकास की गति विधियों से भरा एक दृशक था।



NCERT का उद्देश्य

1) शैक्षिक अनुसंधान को बढ़ावा देने और संचालित करने के लिए नवीन विचारों और अभ्यास का प्रयोग।

2) राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा-2005 कार्यक्रम और पाठ्य पुस्तकों विकसित करने के लिए नवीन शिक्षण शिक्षण सामग्री और किर प्रशिक्षण मॉडल और रणनीति आडियो विडियो और ICT सामग्री।

3) पूर्ण सेवा और इन सर्विस शिक्षक शिक्षा सामग्री और किर प्रशिक्षण मॉडल राज्य स्तर व राष्ट्रीय स्तर के अधिकारियों का प्रशिक्षण।

4) पूर्ण सेवा और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के सहयोग करना।



NCERT के कार्य

(1) अनुसंधान →

NCERT स्वतन्त्र रूप से तथा दूसरी संस्थाओं के सहयोग से शैक्षिक अनुसंधान कार्यक्रम आयोजित करता है। यह शोध कर्ताओं के लिए शोध आधारित पाठ्यक्रम आयोजित करता है। तथा विद्यालयों शिक्षा में शोध अध्ययनों को प्रोत्साहित करने के लिए शिक्षा वृत्ति प्रदान करता है।

(2) प्रशिक्षण → यह शैक्षिक सीढ़ी के विभिन्न स्तरों पूर्व प्राथमिक, प्राथमिक, प्रारम्भिक माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक और ऐसे क्षेत्र जैसे व्यवसायिक शिक्षा, शैक्षिक प्रौद्योगिक निर्देशन तथा परामर्श विशेष शिक्षा में अध्यापकों के लिए सेवा पूर्व व सेवा कालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करती है।



विकास -

यह विद्यालयों शिक्षा के लिए विभिन्न स्तरों के लिए पाठ्यपुस्तकें तथा अध्यापन सामग्री निर्माण करती है या उनका आधुनिकीकरण करती है। और उन्हें समाज की उभरती आवश्यकताओं के अनुरूप करता है। यह शैक्षिक ~~केन्द्रों~~ प्रौद्योगिकी का निर्माण करती है। जिसमें शैक्षिक सहायक सामग्री तथा मूल्यांकन प्रविधियाँ तथा तकनीकी सम्मिलित हैं। शैक्षिक प्रौद्योगिकी तथा जनसंख्या शिक्षा तथा नियोज्य व्यक्तियों तथा अन्य समूह के क्षेत्र में विकासत्मक क्रियाकलाप का दायित्व लेती है।

⇒ सेवा पूर्व तथा सेवाकालीन प्रशिक्षण ⇒

यह पाठ्यता युक्त उपस्थितियों के लिए सेवा पूर्व अध्यापकों अध्यापक शिक्षकों तथा अध्यापक शिक्षा से जुड़े